A–0166

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-301

अरिष्टभंग एवं आयु विचार

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सद्योरिष्ट योग में चन्द्रमा व लग्नेश की स्थिति का विस्तारपूर्वक वर्णन कजिए।

2. मातृ अरिष्ट पर विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।

3. पाठ्य पुस्तक के अनुसार द्वादश भावों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. अल्पायु व मध्यमायु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. बालारिष्ट व योगारिष्ट का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. एक सप्ताह में मरण योग का वर्णन कीजिए।

2. दश व ग्यारह वर्ष की आयु के योगों को लिखिए।

3. होरा स्कन्ध का परिचय दीजिए।

4. चन्द्रमा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. जातकपारिजात ग्रन्थानुसार चन्द्र–गुरुकृत अरिष्टभंग योगों का वर्णन कीजिए।

6. दीर्घायु योग का परिचय दीजिए।

7. इक्कीस व बाईस वर्ष की आयु के योगों को लिखिए।

8. अमितायु योग वर्णन कीजिए।

****